

प्रेपक,

नवीन चन्द्र शर्मा,
सचिव,
उत्तरांचल शासन.

सेवा में,

अध्यक्ष,
सहकारी न्यायाधिकरण,
उत्तरांचल देहरादून.

सहकारिता अनुभाग: देहरादून: दिनांक 26 मार्च, 2005

विषय:- वित्तीय वर्ष 2004-05 हेतु सहकारी न्यायाधिकरण की आयोजनेतर पक्ष में
विभिन्न मदों में पुनर्विनियोग की वित्तीय स्वीकृति

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या 117/सह.न्या./2004-05 दिनांक 10.3.2005 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2004-05 में मानक मद 16 व्यावसायिक और विशेष सेवाओं के लिए रूपये 52200.00 एवं मानक मद-27-चिकित्सा व्यय प्रतिपूर्ति मद में रूपये 10000.00 अर्थात् कुल रूपये 62200.00 (रूपये बासठ हजार दो सौ मात्र) संलग्न पुनर्विनियोग की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2. उक्त व्यय को करते समय मितव्ययता के विषय में निर्गत आदेशों, बजट मैनुअल एवं समय-समय पर जारी तद्विषयक आदेशों का पालन सुनिश्चित किया जायेगा।

3. व्यय केवल उन्हीं मदों में किया जायेगा जिनके लिए यह स्वीकृति निर्गत की जा रही है, किसी भी प्रकार के मद परिवर्तन का अधिकार विभाग के पास नहीं रहेगा।

4. धनराशि व्यय करने से पूर्व जिन मामलों में बजट मैनुअल/वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों तथा अन्य स्थाई आदेशों के अन्तर्गत शासकीय अथवा अन्य सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति की आवश्यकता हो तो उनमें व्यय करने से पूर्व ऐसी स्वीकृति आवश्यक प्राप्त कर ली जाय।

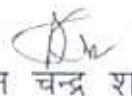
5. व्यय की सूचना प्रपत्र बी.एम.-13 पर प्रत्येक माह की 20 तारीख तक वित्त विभाग को उपलब्ध करा दी जाय।

6. इस सम्बन्ध में होने वाले व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2004-2005 में अनुदान संख्या-18 के अन्तर्गत लेखा शीर्षक 2425-सहकारिता-00-001-निदेशन तथा प्रशासन-

05-सहकारिता न्यायाधिकरण-00-16-व्यावसायिक और विशेष सेवाओं के लिए भुगतान एवं 27-चिकित्सा व्यय प्रतिपूर्ति के नामे डाला जायेगा. जिसे संलग्न पुनर्विनियोग के कॉलम-1 की बचतों से बहन किया जायेगा.

7. यह आदेश वित्त विभाग के पत्र संख्या 1225 दिनांक 23 मार्च, 2005 में प्रदत्त अधिकारों के तहत जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

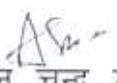

(नवीन चन्द्र शर्मा)
सचिव.

संख्या-/२५ (1)/ XIV-1 / तददिनांकित,

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेपित.

1. महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, उत्तरांचल,
2. वित्त विभाग-2 उत्तरांचल शासन.
3. वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून.
4. अपर निबन्धक, सहकारी समितियाँ, उत्तरांचल अल्मोड़ा.
5. निदेशक, एनोआईसी० सचिवालय परिसर देहरादून.
6. गार्ड फाइल.

आज्ञा से,


(नवीन चन्द्र शर्मा)
सचिव.

प्रपत्र की0एम्स-15 (पैसा-158)

निवंत्रक अधिकारी- सचिव, उत्तरांचल शासन, प्रशासनिक विभाग-सहकारिता विभाग, उत्तरांचल शासन, अनुदान संख्या-18 (भन0 हजार रु0मे)

बाजट प्राविधान तथा लेखाशीर्षक विवरण	मानक मद्दत अद्यावधिक त्र्यय	वित्तीय वर्ष त्र्यय	अवशेष के धनराशि	लेखाशीर्षक स्थानान्तरित किया जाना है.	जिसमें (सरलात्मक) धनराशि	घनराशि	पुनर्व्योग के स्तम्भ की धनराशि	पुनर्विनियोग के बाद अवशेष धनराशि (स्तम्भ-4 में)	अनुमुक्ति
1	2	3	4	5	6	7	8		
2425-सहकारिता आयोजनात्मक तथा असामन -00-	001-निरेशन 16-ज्ञानायिक 05-सहकारी ज्ञानायिकरण 18-प्रकाशन -50 44- प्रारंभिक त्र्यय-50	001-निरेशन 00-05-सहकारी ज्ञानायिकरण -00- 50.00 50.00	आयोजनात्मक तथा प्रशासन ज्ञानायिक एवं विरोध रोकाओं के लिए युतान-52.20 27- विकित्या प्रतिपूर्ति 10.00	2425-सहकारिता तथा प्रशासन 00-05-सहकारी ज्ञानायिकरण 16-ज्ञानायिक एवं विरोध रोकाओं के लिए युतान-52.20 27- विकित्या प्रतिपूर्ति 10.00	आयोजनात्मक तथा प्रशासन ज्ञानायिक एवं विरोध रोकाओं के लिए युतान-52.20 27- विकित्या प्रतिपूर्ति 10.00	77.20 77.20 20.00	प्रकाशन एवं प्रशासन में कोई त्र्यय न किए जाने के कारण बचत, ज्ञानायिक तथा विरोध सेवाओं के लिए युतान एवं विकित्या त्र्यय की प्रतिपूर्ति यदि में आवश्यकता,		
चौपा:- 100.00	-	-	100.00	62.20	97.20	37.80	-		

प्रमाणित किया जाता है कि पुनर्विनियोग से बजट मेनुअल के पारिच्छेद 150,151,155,156 में उल्लिखित प्राविधानों का उल्लंघन नहीं होता है.

(नवीन चन्द्र शर्मा)

मान्यता

विधान सभा द्वितीय बृ. 2005 के उपरा सोमवार श्री किंगड़ उपाध्यय, मार्ग सदस्य विधान सभा द्वारा पूछे गये अनांकित प्रश्न लख्या-69 का उत्तर।

प्रश्न

क्या गन्ना मुक्ताने का बहुत करेंगे कि गन्ना विभान का विभिन्न चीजों मिलों पर चार्टर्ड एर्स का वित्तना धन बकाया और बकाया भुगतान कब तक सुनिश्चित कर दिया जायेगा?

उत्तर

किसान विभिन्न चीजों मिलों पर चालू पेराई सब 2005 में दिनोंके 22.3.2005 दे देरे गये तो वे देय गन्ना मूल्य के रूप में 5271 रुपये रु० भुगतान किया जाना शक्य है।

आशेष गन्ना मूल्य के शीघ्र भुगतान के प्रयास किये जा रहे हैं।

नारायण दत्त तिवारी
मुख्यमंत्री।